मरीज़ की मुस्कान ही हमारा सबसे बड़ा मेडल

विशेष बातचीत : मेडिकल कॉलेज डीन डॉ . शशि धर गर्ग के साथ

नवभारत न्यूज

सतना, 30 जून. हर साल 1 जुलाई को देश के महान चिकित्सक और पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. विधानचंद्र राय की याद में राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस मनाया जाता है. यह दिन उन हाथों को सलाम करने का है जो नि:स्वार्थ भाव से मानवता की सेवा में जुटे हैं.

इस खास मौके पर, नवभारत संवाददाता **गुरुदत्त तिवारी** ने वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. शशि धर गर्ग अटल बिहारी मेडिकल कॉलेज सतना के डीन से उनकी इस यात्रा, चुनौतियों और बदलते दौर में डॉक्टर मरीज़ के रिश्ते पर खास बातचीत की.

सवाल:आपके लिए एक डॉक्टर होने के क्या मायने हैं?

डॉ. गर्ग : बहुत-बहुत धन्यवाद मेरे लिए डॉक्टर होना सिर्फ एक पेशा या आजीविका कमाने का साधन नहीं है, बल्कि यह एक कॉलिंग (ईश्वरीय बुलावा) है. जब एक मरीज़ दर्द में आपके पास आता है, तो वह केवल अपनी बीमारी लेकर नहीं आता, बल्कि एक अटूट विश्वास लेकर आता है.उस विश्वास पर खरा उतरना और किसी को नया जीवन या दर्द से राहत देना, दुनिया का सबसे संतोषजनक अहसास है.

सवाल : डिजिटल युग में, जब लोग इंटरनेट पर अपनी बीमारी सर्च करके पहले ही पैनिक (परेशान) हो जाते हैं, तो एक डॉक्टर के रूप में आपके सामने क्या चुनौतियाँ आती हैं?

डॉ. गर्ग: (मुस्कुराते हुए) आपने बिल्कुल सही और आज के समय का सबसे बड़ा मुद्दा उठाया है। इसे हम साइबरकोंड्रिया कहते हैं.लोग सिरदर्द को भी इंटरनेट पर सर्च करके ब्रेन ट्यूमर समझ बैठते हैं. यह सामान्य स्वास्थ्य के लिए आत्महत्या से कम नहीं होगा.उन्होंने बताया कि इंटरनेट पर जानकारी है, लेकिन ज्ञान और अनुभव नहीं.हम डॉक्टरों को अब केवल बीमारी का इलाज नहीं करना पड़ता, बल्कि पहले मरीज़ के दिमाग से उस आधे-अधूरे ज्ञान और डर को डिलीट करना पड़ता है. मरीज़ों से मेरी गुजारिश है कि वे अपनी सेहत का फैसला इंटरनेट के भरोसे न छोड़ें.

सवाल : पिछले कुछ सालों में इलाज के दौरान डॉक्टरों के साथ मरीज और उनके परिजनों के अप्रिय बर्ताव की घटनाएं सामने आई हैं। इससे डॉक्टरों के मनोबल पर क्या असर पड़ता है?

डॉ. गर्ग : यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक है.कोई भी डॉक्टर जानबूझकर किसी मरीज़ को नुकसान नहीं पहुँचाता. चिकित्सा विज्ञान की अपनी सीमाएं हैं और हर डॉक्टर अपनी तरफ से शत-प्रतिशत प्रयास करता है.जब हिंसा होती है, तो युवा डॉक्टरों का मनोबल टूटता है और वे क्रिटिकल (गंभीर) मामलों में रिस्क लेने से डरने लगते हैं.डॉक्टर और मरीज़ के बीच विश्वास का रिश्ता होना बहुत जरूरी है, भय का नहीं.

सवाल : आपके जीवन का कोई ऐसा किस्सा, जिसने आपको अंदर तक झकझोर दिया हो या जिसे आप कभी नहीं भूल सकते?

डॉ. गर्ग: ऐसे कई किस्से हैं, लेकिन एक वाकया हमेशा याद रहता है। कुछ साल पहले पोस्टमार्टम करते समय बेहद गंभीर स्थिति थी यहाँ की उसके प्राइवेट पार्ट तक में कई वार किए गए वह दृश्य काफ़ी भयावह था

सवाल : वर्तमान की भागदौड़ भरी जिंदगी में युवा डॉक्टरों और आम लोगों को आप क्या हेल्थ टिप्स देना चाहेंगे?

डॉ. गर्ग : डेली लाइफस्टाइल में लोग अपनी सेहत को सबसे आखिरी पायदान पर रखते हैं. मेरा मूल मंत्र बेहद सरल है.इसके चार आधार हैं.30 मिनट का नियम- रोज कम से कम 30 मिनट एक्सरसाइज या वॉक जरूर करें.नींद से समझौता नहीं- 7-8 घंटे की गहरी नींद आपके शरीर के लिए रीबूट बटन की तरह है.मानसिक स्वास्थ्य- शारीरिक सेहत के साथ-साथ मानसिक शांति भी जरूरी है। तनाव से दूर रहें. नियमित जांच- 35-40 की उम्र के बाद साल में एक बार बेसिक हेल्थ चेकअप जरूर करवाएं.

सवाल : डॉक्टर दिवस के अवसर पर देश के नागरिकों और युवा मेडिकल स्टूडेंट्स के लिए आपका क्या संदेश है?

डॉ. गर्ग : युवा मेडिकल छात्रों से मैं यही कहूँगा कि इस पेशे में सहानुभूति को कभी कम मत होने देना.किताबी ज्ञान आपको एक अच्छा डॉक्टर बना सकता है, लेकिन एक संवेदनशील दिल आपको एक महान डॉक्टर बनाएगा और आम जनता से बस यही अपील है कि डॉक्टरों पर भरोसा रखें हम आपके दुश्मन नहीं, आपके रक्षक हैं.

सवाल : इस समय कौन सी स्वास्थ्य समस्याएं या बीमारियां सबसे ज्यादा देखने को मिल रही हैं, और उनकी मुख्य वजह क्या है?

डॉ. गर्ग: वर्तमान समय में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं,जिनमे से पीलिया,मोटापा और डायबिटीज,हाई बीपी ,दिल की बीमारियां,फैटी लिवर,तनाव और डिप्रेशन,सांस की बीमारियां और दूषित पानी के कारण गंभीर बीमारियां हो रही है

डॉक्टर के जीवन का आधार, समर्पण और संवेदना

विशेष बातचीत : पूर्व सिविल सर्जन डॉ . रेखा त्रिपाठी के साथ

डॉक्टर डे पर विशेष

नवभारत न्यूज

सतना, 30 जून. सफेद कोट केवल एक पेशे की पहचान नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और संवेदनशीलता का प्रतीक है। एक डॉक्टर हर दिन न सिर्फ बीमारियों से लड़ता है, बल्कि अनगिनत परिवारों की उम्मीदों को भी जीवित रखता है।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर पूर्व सिविल सर्जन एवं वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रेखा त्रिपाठी से उनकी चिकित्सा जीवन के अनुभव को जानकारी नवभारत संवाददाता **अजीत सिंह** ने ली ।

सवाल: आपके मन में डॉक्टर बनने का विचार कैसे आया? आपकी प्रेरणा कौन रहे?

डा. त्रिपाठी: बचपन में जब मैं तीसरी-चौथी कक्षा में थी, तब धर्मयुग और हिंदुस्तान जैसी पत्रिकाओं में डॉक्टर के रूप में एक छोटी बच्ची की तस्वीर देखी। तभी मैंने अपने पिताजी से कहा कि मैं भी डॉक्टर बनना चाहती हूं। उन्होंने मेरे इस सपने को पूरा करने के लिए हमेशा मेरा साथ दिया और वही मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा बने।

सवाल: . डॉक्टरों पर काम का दबाव अधिक रहता है। आपने निजी और पेशेवर जीवन में संतुलन कैसे बनाया?

डा. त्रिपाठी: चिकित्सा सेवा में समय की कोई निश्चित सीमा नहीं होती। मैं मरीजों की सेवा में अधिकतर समय व्यस्त रहती थी। ऐसे में मेरे परिवार ने हमेशा सहयोग किया और घर की जिम्मेदारियां संभालकर मुझे अपने काम पर पूरी तरह ध्यान देने का अवसर दिया।

सवाल:. ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर सबसे बड़ी चुनौती क्या है?

डा. त्रिपाठी: पहले ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता कम थी, लेकिन अब स्थिति काफी बदल चुकी है। अब ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों की महिलाएं अपने स्वास्थ्य को लेकर पहले से अधिक सजग हैं और समय पर इलाज कराने अस्पताल पहुंच रही हैं।

सवाल: वर्तमान में लोगों के सामने स्वास्थ्य रहने की कौन सी चुनौती है ?और उसका क्या समाधान हो सकता है?

डा. त्रिपाठी: बदलती जीवनशैली के कारण कम उम्र में ब्लड प्रेशर, हार्ट अटैक, मधुमेह और मोटापे जैसी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। इसका मुख्य कारण पर्याप्त नींद न लेना, मोबाइल का अत्यधिक उपयोग भी लोगों के सामने चुनौती पैदा कर रहा है. इसके अलावा शारीरिक गतिविधियों की कमी भी लोगों के सामने समस्या पैदा कर रही है।

सवाल: लोग डॉक्टर से पहले इन्टनेट और सोशल मीडिया पर इलाज खोजते हैं। क्या यह सही है?

डा. त्रिपाठी: बिल्कुल नहीं। इंटरनेट की जानकारी के आधार पर खुद दवा लेना खतरनाक हो सकता है। हर मरीज की बीमारी अलग होती है। बिना डॉक्टर की सलाह के दवा लेने से गंभीर दुष्परिणाम हो सकते हैं और कई बार जान का खतरा भी पैदा हो जाता है।

सवाल: आने वाले वर्षों में चिकित्सा क्षेत्र में किस तरह के बदलाव देखने को मिलेंगे?

डा. त्रिपाठी: भविष्य में रोबोटिक सर्जरी, टेलीमेडिसिन, डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड और आधुनिक तकनीकों का उपयोग तेजी से बढ़ेगा। इससे इलाज और जांच पहले से अधिक सटीक होगी। हालांकि तकनीक डॉक्टर के अनुभव और मरीज की शारीरिक जांच का विकल्प नहीं बन सकती।

डॉक्टर्स डे पर आयोजित होंगे कई कार्यक्रम

नवभारत न्यूज

सतना, 30 जून. डाक्टर्स डे के अवसर पर मेडिकल कालेज जिला चिकित्सालय नर्सिंग कालेज व स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है.

मिली जानकारी के अनुसार जिला चिकित्सालय में इस अवसर पर रैली निकाल कर लोगों को जागरुक करने का प्रयास किया गया. वहीं क्लब भवन में रोटरी क्लब व अन्य संस्थाओं के द्वारा भी कार्यक्रम के आयोजन की जानकारी दी गई. स्वास्थ्य सेवाओं के लिए काम करने वाले स्वयंसेवी संस्थाओं ने भी इस अवसर पर सामाजिक जागरूकता के कार्यक्रमों का आयोजन विभिन्न स्थानों पर किया. इसके अतिरिक्त शहर में संचालित कुछ निजी अस्पतालों ने भी इस अवसर पर चिकित्सकों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया.

डॉक्टर्स-डे
की जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
-:शुभेच्छु:-
डॉ. जे.पी.सिंह (डायरेक्टर)
लाइफ केयर हास्पिटल, कलेक्ट्रेट रोड सीधी

डॉक्टर्स-डे के अवसर पर
वन्दना हॉस्पिटल
की ओर से समस्त चिकित्सकों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
डॉ. आर.बी.सिंह
(एम.बी.बी.एस., एम.एस.)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
हड्डी रोग | जोड़ रोग | फ्रैक्चर उपचार | आधुनिक सुविधाएं
जिला-सिंगरौली (म0प्र0), सम्पर्क सूत्र-9425331865

डॉक्टर्स-डे
की जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. भूपेन्द्र प्रजापति (डायरेक्टर)
ए.बी. डायग्नोस्टिक एण्ड टेलेरेडियोलॉजी सर्विस प्रा.लि. सीधी

डॉक्टर्स-डे
की जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. रामाश्रय पाल
नई गल्ला मण्डी सीधी

मो.-9589389065
एस.के.गोल्डन
डायग्नोस्टिक लैब
डिजिटल एक्स-रे
पैथोलॉजी
ई.सी.जी.
डॉ.आर.सी. सिंह
जनरल फिजीशियन
पता- स्टेट बैंक रोड हॉस्पिटल चौक, सीधी (म.प्र.)

डॉक्टर डे की शुभकामनाएँ

डॉ. दीपिता बैस
एम.बी.बी.एस. (MBBS)
एम.एस. (MS) (OBS & GYN)
स्त्री प्रसूति एवं बांझपन रोग विशेषज्ञ
लाइफ लाइन हॉस्पिटल
बैढ़न की ओर से डॉक्टर्स-डे
की हार्दिक मंगलकामनाएं
एवं बधाइयां...!!
डिजिटल एक्स-रे, रूपये 150 : सामान्य अल्ट्रासाउंड रूपये 500
प्लाजा के पीछे रामलीला मैदान के बगल में नियर अम्बेडकर चौक, बैढ़न, मो.न.:6261996545, 9516185842

एक डॉक्टर अपने मरीज के स्वास्थ्य को लेकर हमेशा चिंतित रहता है।
थैंक यू डॉक्टर

डॉक्टर्स-डे के अवसर पर
+ डॉ. ए.पी. पटेल +
बाल्य एवं शिशु रोग विशेषज्ञ
की ओर से समस्त चिकित्सकों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...!!
जिला चिकित्सालय सह ट्रामा सेंटर बैढ़न-जिला सिंगरौली (म.प्र.)

डॉक्टर्स-डे के अवसर पर
डॉ. श्रीमती मीना सराफ
बाल एवं शिशु रोग विशेषज्ञ एवं महिला चिकित्सक
डॉ. अमित कुमार सराफ
स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं जनरल फिजीशियन
की ओर से समस्त चिकित्सकों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
पता:- सुभद्रा मेमोरियल हॉस्पिटल गनियारी, जिला-सिंगरौली (म.प्र.)

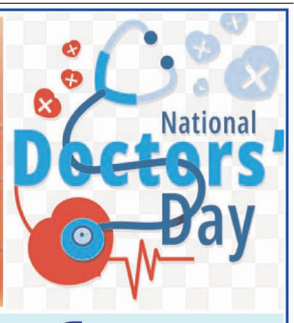

विश्व डॉक्टर्स डे-1 जुलाई
धरती पर भगवान का दूसरा रूप हैं डॉक्टर
हर धड़कन की उम्मीद, हर जिंदगी का
विश्वास... डॉक्टरों को शत्-शत् नमन।
आपकी सेवा, समर्पण, त्याग और मानवता के
प्रति अटूट प्रतिबध्दता को सलाम।
हर संकट में मुस्कुराकर जीवन बचाने वाले सभी चिकित्सकों
को विश्व डॉक्टर्स डे की हार्दिक शुभकामनाएं।
स्वस्थ समाज का आधार-समर्पित चिकित्सक परिवार
+ हैप्पी डॉक्टर्स-डे +
1 जुलाई-सभी चिकित्सकों को सादर नमन...!!
सौजन्य :- विस्थापित कॉलोनी मझिगवां-बरगवां, जिला-सिंगरौली (म.प्र.)

सिंगरौली हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर
अब जबलपुर वाराणसी जैसा इलाज अपने शहर बैढ़न, जिला-सिंगरौली में उपलब्ध
- मेडिसीन विभाग
- हड्डी एवं जोड़ विभाग
- न्यूरो विभाग
- शिशु एवं बाल रोग विभाग
- जनरल सर्जरी विभाग
- हुआ जबड़ा एवं मुख कैंसर रोग विभाग
- नाक, कान एवं गला रोग विभाग
- स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग
- नेत्र रोग विभाग
- दंत रोग विभाग
- पेन मैनेजमेंट (दर्द) विभाग
AMBULANCE
Digital X-RAY | डायलिसिस
पैथोलाजी | अत्याधुनिक O.T. एवं I.C.U.
24x7 एम्बुलेंस, फॉरमेसी एवं आपातकालीन सुविधा
Helpline No. :
7880007101, 7880007102
Medi Assist, Ayushman Bharat, Navi General Insurance, Safeway TPA, Aditya Birla Health Insurance and Niva Bupa insurance
द्वारा कैशलेस इलाज की उत्तम सुविधा उपलब्ध है।
पता - केशव नगर पोस्ट ऑफिस के पास, गनियारी, बेढ़न जिला-सिंगरौली (म.प्र)

आयुष्मान योजना अंतर्गत नि:शुल्क इलाज
आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की सुविधा उपलब्ध
आयुष्मान कार्ड धारक मरीजों को नि:शुल्क इलाज एवं सभी सुविधाएं
सीधी का No.1 पेडियाट्रिक हॉस्पिटल
Pediatric Critical Care Unit (PICU/NICU)
उपलब्ध उपचार सुविधा :
उपलब्ध विभाग
- मिक्त्सा विभाग
- गायली एवं ऑबस विभाग
- आर्थपेडिडिक्स (हड्डी) विभाग
- निजवतना विभाग
- जनरल सर्जरी विभाग
- प्लास्टिक सर्जरी विभाग
- यूरोलॉजी विभाग
- पिडियाट्रिवम विभाग
दूरदीन द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी की सुविधा उपलब्ध है।
5 लाख तक का मुफ्त उपचार
आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत उपचार सुविधा उपलब्ध !
SIDHI HOSPITAL & RESEARCH CENTRE
SIDHI MP 486661
Ashok Vihar, Housing Board Colony, Priyadarshini Nagar, Rewa Road, Sidhi MP 486661 ☎:7822-299095, 94251 79510

डॉक्टर्स-डे
की जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

आर.सी.गुप्ता (डॉक्टर)
समय प्रेस के सामने काशी मार्केट सीधी, जिला-सीधी (म.प्र.)

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा.लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक, प्रकाशक आशीष श्रोती द्वारा प्लाट नं.34, इंडस्ट्रियल एरिया, सतना से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , इंडस्ट्रियल एरिया से मुद्रित . संपादक- संजय पयासी * फोन- 250587, फैक्स- 224642 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत जिम्मेदार RNI Reg. No. 72181/99